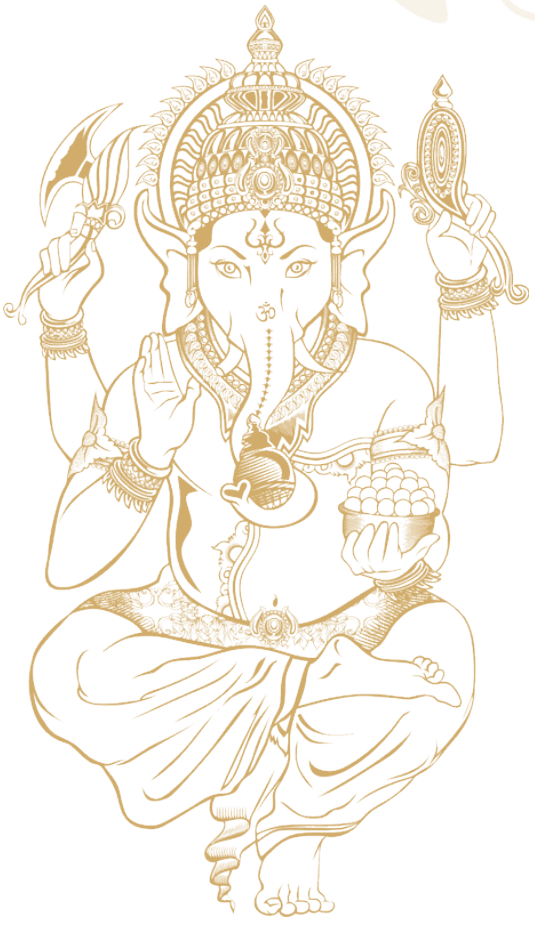

Varun

Namita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121183602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/08/1994	जन्म तिथि	14-15/03/1993
सोम-मंगलवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 04:23:00	जन्म समय	02:32:00 घंटे
घटी 56:21:39	जन्म समय(घटी)	50:03:47 घटी
India	देश	India
Bhopal	स्थान	Dewas
23:17:00 उत्तर	अक्षांश	22:59:00 उत्तर
77:28:00 पूर्व	रेखांश	76:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:08	स्थानिक संस्कार	-00:25:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:50:20	सूर्योदय	06:36:05
19:02:11	सूर्यास्त	18:34:21
23:47:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:01

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 8वर्ष 5मा 6दि	25:40:15	मिथु	लग्न	धनु	18:53:07	बुध 3वर्ष 10मा 23दि
राहु	15:39:33	कर्क	सूर्य	मीन	00:31:34	सूर्य
07/01/2010	12:05:12	वृष	चंद्र	वृश्चि	26:56:36	06/02/2024
08/01/2028	26:20:05	वृष	मंगल	मिथु	19:00:37	05/02/2030
राहु 19/09/2012	03:38:18	कर्क	बुध व	कुंभ	19:31:51	सूर्य 25/05/2024
गुरु 13/02/2015	12:21:53	तुला	गुरु व	कन्या	17:59:18	चन्द्र 24/11/2024
शनि 20/12/2017	00:11:45	कन्या	शुक्र व	मीन	26:00:27	मंगल 01/04/2025
बुध 08/07/2020	17:22:55	कुंभ व	शनि	कुंभ	01:03:11	राहु 24/02/2026
केतु 27/07/2021	26:45:55	तुला व	राहु	वृश्चि	22:19:44	गुरु 13/12/2026
शुक्र 27/07/2024	26:45:55	मेष व	केतु	वृष	22:19:44	शनि 25/11/2027
सूर्य 20/06/2025	29:57:15	धनु व	हर्ष	धनु	27:40:25	बुध 30/09/2028
चन्द्र 20/12/2026	27:41:34	धनु व	नेप	धनु	26:58:12	केतु 05/02/2029
मंगल 08/01/2028	01:29:47	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	01:40:47	शुक्र 05/02/2030

लग्न-चलित

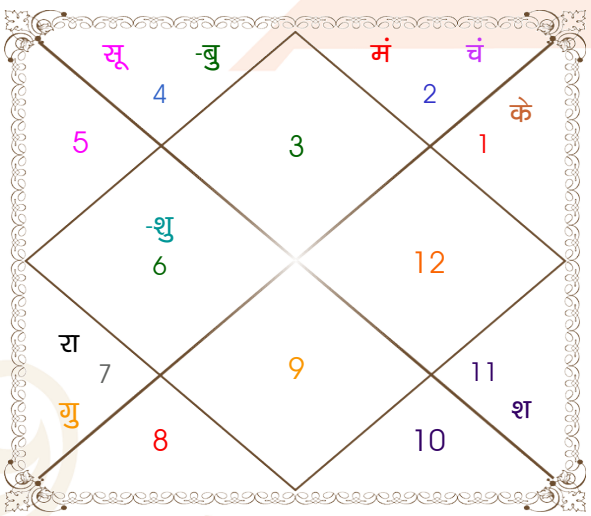

लग्न-चलित

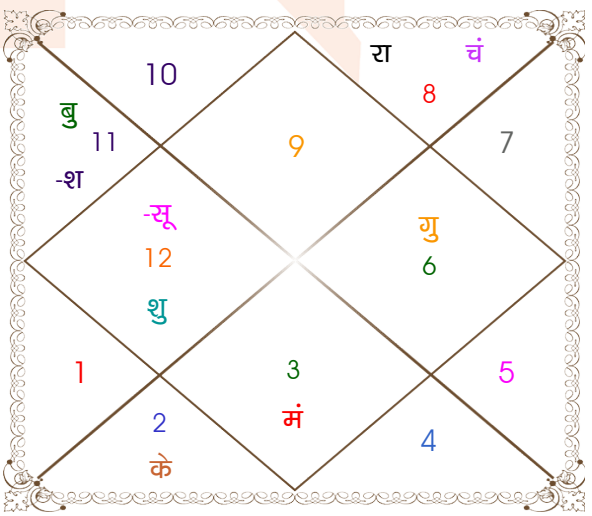

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

टंतनद का वर्ग गरूड़ है तथा छंउपजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टंतनद और छंउपजं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

टंतनद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल टंतनद कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र टंतनद कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छंउपजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु छंउपजं कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छंउपजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टंतनद तथा छंउपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।